‘चंदैनी गोंदा- एक सांस्कृतिक यात्रा’

चर्चा में क्यों?

29 जुलाई, 2021 को **छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत** और **मुख्यमंत्री भूपेश बघेल** ने **डॉ. सुरेश देशमुख** द्वारा लिखित **‘चंदैनी गोंदा-एक सांस्कृतिक यात्रा’** पुस्तक का विमोचन किया।

प्रमुख बिंदु

- इस पुस्तक में वस्तुत: नई पीढ़ी को दाऊ **रामचंद्र देशमुख के व्यक्तित्व और कृतित्व** से समग्र रूप से परिचित कराने का प्रयास किया गया है।
- ज्ञातव्य है कि ‘चंदैनी गोंदा छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक यात्रा’ स्मारिका का प्रकाशन 7 दिसंबर, 1976 को चंदैनी गोंदा के 25वें प्रदर्शन के अवसर पर हुआ था। इसके संपादक धमतरी के साहित्यिकारद्वय **सर्वश्री नारायण लाल परमार** और **त्रिभुवन पांडे** थे।
- इस स्मारिका के प्रकाशन के 45 वर्षों के उपरांत इसके द्वितीय संस्करण को संशोधित और परिवर्धित रूप में प्रकाशित किया गया है।
- इस संस्करण में दाऊ रामचंद्र देशमुख द्वारा सृजित **देहाती कला विकास मंडल (Dehati Kala Vikas Mandal) से लेकर चंदैनी गोंदा** की निर्माण प्रक्रिया और उसके विसर्जन तथा कारी की सर्जना तक की सांस्कृतिक यात्रा को 488 पृष्ठों के इस पुस्तक में समाहित किया गया है।
- डॉ. देशमुख ने अपने इस शोधपूर्ण ग्रंथ में दाऊ जी और उनकी कृतियों से जुड़े छोटे-बड़े सभी कलाकारों और साहित्यकारों का वर्णन कर उनके अवदानों को भी रेखांकित किया है।
- यह पुस्तक **छत्तीसगढ़ में लोककला, संगीत और लोक संस्कृति** को जानने तथा समझने का प्रयास करने वालों के लिये एक अनुपम उपहार के रूप में है। यह न केवल पठनीय है, अपितु संग्रहणीय भी है, जिससे भविष्य में लोककला के शोधार्थियों के लिये यह संदर्भ ग्रंथ का काम करेगा।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/chandaini-gonda-ek-sanskritik-yatra